

## **राष्ट्रभाषा-2** **RASHTRABHASHA-2**

समय : 2½ घंटे]

[पूर्णक : 100

- |     |   |  |
|-----|---|--|
| 1.  | किसी एक कहानी का सारांश लिखिए :-  | 10                                     |
| (1) | परीक्षा   | (2) जामुन का पेड़                      |
| (3) | घीसा  |  |
| 2.  | किसी एक महान व्यक्ति की जीवनी का सारांश लिखिए :-  | 10                                     |
| (1) | पंडित जवाहरलाल नेहरू  | (2) सरदार वल्लभ भाई पटेल               |
| (3) | नेताजी सुभाषचंद्र बोस   | (4) सरदार भगतसिंह                      |
| 3.  | किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :-  | 15                                     |
| (1) | नदी   | (2) शिक्षक दिवस                        |
| (3) | पुस्तकालय   | (4) समय का महत्व                       |
| 4.  | किन्हीं तीन का भिन्न-भिन्न अर्थों में वाक्यों में प्रयोग कीजिए :-   | 6                                      |
| (1) | पर  | (2) सोना                               |
| (3) | कल  | (4) और                                 |
| (5) | जल  | (6) दो                                 |
| 5.  | समानार्थी शब्द लिखिए :-   | 6                                      |
| (1) | पुत्र   | (2) समुद्र                             |
| (3) | औरत   | (4) पुरुष                              |
| (5) | गुस्सा  | (6) घर                                 |
| 6.  | वचन बदलिए :-  | 6                                      |
| (1) | बच्चा   | (2) राजा                               |
| (3) | इमारत   | (4) बहू                                |
| (5) | खिलाड़ी   | (6) आँख                                |
| 7.  | लिंग बदलिए :-   | 6                                      |
| (1) | लड़का   | (2) चूहा                               |
| (3) | बालक  | (4) छात्र                              |
| (5) | साहब  | (6) महाशय                              |
| 8.  | किन्हीं दो वाक्यों का वाच्य बदलिए :-  | 6                                      |
| (1) | राम पाठ पढ़ता है।   | (2) हम हिंदी सीखते हैं।                |
| (3) | राम ने रावण को मारा।  |  |
| 9.  | सूचना के अनुसार बदलिए :-  | 5                                      |
| (1) | मैं बहुत खुश हूँ।   | (‘खुश’ के बदले ‘खुशी’ का प्रयोग)       |
| (2) | अध्यापक के आते ही छात्र उठ खड़े हुए।  | (‘ज्योंही-त्योंही’ का प्रयोग)          |
| 10. | किन्हीं दो लोकोक्ति/कहावतों को समझाइए :-  | 5                                      |
| (1) | ईद के चाँद होना   | (2) आग लगे तब खोदे कुआँ                |
| (3) | हवन करते हाथ जलना   | (4) कभी गाड़ी नाव पर, कभी नाव गाड़ी पर |
| (5) | कुआँ प्यासे के पास नहीं जाना  |  |
| 11. | प्रान्तीय भाषा में अनुवाद कीजिए :-  | 5                                      |
| (अ) | गाँधीजी ने एक बार कहा था, “धन गया तो कुछ नहीं गया, स्वास्थ्य गया तो कुछ गया, मगर चरित्र गया तो सब कुछ गया।” इसका मतलब है, चरित्र ही मनुष्य की असली संपत्ति है। वही समाज श्रेष्ठ है और वही राष्ट्र सुखी है जिसकी जनता का चरित्र अच्छा हो। आज के बालक कल के नागरिक हैं। इसलिए उनके चरित्र का निर्माण करना |  |

समाज और राष्ट्र का पहला कर्तव्य है। यही कारण है कि स्कूल, कालेज आदि शिक्षा-संस्थाएँ खोली गयी हैं। यहाँ ऐसी शिक्षा दी जाती है, जिससे लड़कों का चरित्र सुधर जाए।

(आ)(1) मारनेवाले से जिलानेवाला अच्छा है।

5

(2) जिसका मन सत्य का मंदिर है, उसका आचरण भी पवित्र होता है।

(3) पहाड़ बादलों को रोककर पानी बरसाते हैं।

(4) पहाड़ी कौओं की रूप-रेखा, कद आदि में मैदानी कौओं से काफ़ी फ़रक दिखाई पड़ता है।

(5) हैदर अली ने अपने सैनिकों को यूरोपीय ढंग से सैनिक शिक्षा देने के लिए फ्रांसीसियों को नियुक्त किया।

## 12. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :-

15

One day Prince Siddartha was playing in the palace-garden. He saw some wild swans flying in the sky. He loved these fine birds very much. Suddenly one of the swans dropped down from the sky and fell at his feet. There was an arrow in its side. Blood was coming out of its body. The Prince felt very unhappy. He took the arrow out of the bird gently. He put some green leaves on the wounded part. The bird slowly opened its eyes and looked at the prince. Now the prince was very happy. (अंग्रेजी)

छोरु नालं अराचकुमारनं कीतत्तार्त्तत्तनं अराण्णमणेनात् तेऽट्टत्तिलं विणेणायाटिकं केणाण्णिरुन्ताणं. अप्पेपामुतु आु कायत्तिलं कील अण्णनप्पं प्रवेवकेन्नं प्रन्तु चेल्ववेत्तकं कण्णटाणं. अप्प्रवेवकेन्ना अवन्नं मिकवुम् विरुम्पिणाणं. तीउरेण्णरु अवेवकेनिलं छोरु प्रवेव अवन्नं कालायिलं वन्तु विमुन्तत्तु. अतन्नं विलावीलं छोरु अम्पु तेतत्तिरुन्तत्तु. कायत्तिलिरुन्तु इरत्तम् बेगुकीकं केणाण्णिरुन्तत्तु. अराचकुमारनातु मनाम् इतेतक्कण्णु मिकवुम् वरुत्तमुर्तत्तु. अवन्नं मेत्तुवाक अम्पेप वेणियें एउत्तत्तु कील पश्चिमेवकेनाप्पं प्रिमिन्तत्तु अतन्नं कायत्तिनं मेलं तत्तविणाणं. प्रवेव मेत्तुवाक तन्नं कण्णकेनात् तीरन्तु अराचकुमारणेन नेओक्कियत्तु. अप्पेपामुतु अवन्नं मिकवुम् सन्तेऽष्टप्पत्ताणं. (तमिल)

बकनालु युवराज्ञा शिधारूदुरु राज्ञोद्यानमुलो अदुकोमुचुमंदेनु. कोन्नी अत्तवि हांसलु अकाशमुलो एगुरुमुचुलु अत्तदु चुचेनु. आ पक्कुलालो अत्तनिकेंत्तो युष्ममु. इंत्तलो हातात्तुगा बक पक्की अकाशमुमुमुंचि गिरुन तिरुगुत्ता अत्तनि काळ्यु दग्गरकु पच्ची पदेनु. दानी शर्तिरमुन बक बाणमु ग्रुच्चुकोनि उंदेनु. दानी शर्तिरमुमुन्दिं रक्तमु कारुमुंदेनु. युवराजदि चुचि चाल चिंतिंचेनु. अत्तदाबाणमुमु नेमुदिगा लागेनु. आ गायमु मीद पच्ची अकुलु वेसी क्षेप्पेनु. आ पक्की नेमुदिगा तन्न कंद्दु तेरचि युवराज्ञमु चुचेनु. युवराज्ञा चाला आवंदिंचेनु.

(तेलुगु)

బందు దిన రాజకుమార సిద్ధాధ్రే అరమనేయ హోదోటదల్లి ఆడిశోండిద్దెను. ఆగ అవను ఆకాశదల్లి కేలవు హంస పశ్చిగెళు కారాడిశోండిరుపుదన్న నోడిదెను. అవనిగే ఆ జీలువాద పశ్చిగెళు మేలే బహళ ప్రీతి హుట్టితు. అంస్కూత్తాగి అపుగళల్లి బందు పశ్చి ఆకాశదింద కేళగే లురుళి అవన కాలినక్కిర బందు చిత్తు. అదర దేహదింద రెక్షబసిదు శోండిత్తు. అదన్న నోడి రాజకుమారనిగే బహళ మురుక లుండాయితు. అవను మేల్లనే కేలవు హసి ఎలెగళన్న ఇట్టెను. ఆగ ఆ పశ్చి మేల్లనే కెబ్బు తేరేదు రాజకుమారనన్న నోడితు. రాజకుమారనిగే ఇదరింద తుంబా సంతోషవాయితు. (కన్నడ)

ఒరు తివసం సిబ్బురితమారాజుకుమారం అందమయిలై తోటతిం కల్పియిక్కుకయాయిరున్నా. అంట్రోహం కురె కాట్రయిగాంజశరీ ఆఱకాశతత్తు పదికుమానుకణ్ణు. ఇల్ల పక్షికలై అంట్రోహతింగ్ వల్లర ఇంషటప్పెట్. పెక్కుం అవయిలొగాం అంట్రోహతింగ్ కాలిం వాన్న వీన్నా. అతింగ్ ఒరు వశిత ఒరు అంప ఏర్పిరున్నా. శరీరతిం నిం రకతం ఉషుకికొణాడిరున్నా. అత్తు కణిక్కి రాజుకుమారం వల్లర బృందం తోగా. అంట్రోహం మెల్లు ఆర అంప ప్రుంతతక్కుతత్తు. ముగివేర్చుటత్త కురె పాచ్చిలకశ వెచ్చు. పక్షి మెల్లు కణ్ణతక్కున్నా. (మలయాలమ)